MEMORANDUM OF UNDERSTANDING "MoU"

IN THE FIELD OF CULTURE BETWEEN

THE MINISTRY OF CULTURE OF THE REPUBLIC OF INDIA

AND

THE MINISTRY OF CULTURE OF THE KINGDOM OF SAUDI ARABIA

WHEREAS The Ministry of Culture of the Republic of India and the Ministry of Culture of the Kingdom of Saudi Arabia (hereinafter referred to collectively as "Parties" and individually as a "Party"); based on their desire to promote cooperation between the two countries in the field of culture in accordance with the laws and regulations in each country, based on the principles of equality, mutual benefit, and respect, and in reference to the two Parties' desire to replace the MoU for Cultural Cooperation between the Ministry of Culture in the Republic of India and the Ministry of Culture and Information in the Kingdom of Saudi Arabia signed in Riyadh on 14/3/1431 AH corresponding to 28/2/2010 AD with this MoU, therefore, the Parties have reached the following understanding:

Article One

This MoU aims to enhance cooperation between the Parties in the field of culture.

Article Two

Both Parties will cooperate in the following areas:

1- Strengthen cooperation and exchange between the Parties in cultural fields, including heritage, museums, film, theatre and performing arts, fashion, music, culinary arts, visual arts, architecture and design, libraries, literature, publishing and translation, traditional arts and crafts, and the teaching of the Arabic language.

2- Exchange of experiences in regulations and policies related to the cultural field.

3- Participation in cultural festivals and events in both countries.

4- Artistic residencies between public and private entities in both countries.

5- Facilitate procedures to enhance cultural affairs in both countries.

6- Facilitate communication between cultural institutions and intellectuals.

7- Exchange of experiences in the fields of preservation and safeguarding of cultural heritage in all its varieties.

8- Cooperate to prevent the illegal import, export and trafficking in works of art and agree to take adequate measures to this respect.

9- Any other field agreed by the two Parties under this MoU.

Article Three

Both Parties will implement the areas of cooperation through the following means:

1- Exchange of visits between official delegations and experts in various cultural fields.

2- Holding training programmes, workshops, capacity building programmes, and seminars for cultural specialists, intellectuals, and artists from both Parties.

3- Any other means agreed by the two Parties.

Article Four

Each Party shall, in accordance with its available resources, bear the financial costs of implementing its obligations under this MoU.

Article Five

The Parties are obligated to ensure that information and documents exchanged between them are used only for the purposes assigned to them as agreed by both Parties and shall not be transferred to a third Party without written approval.

Article Six

Any dispute between the Parties as to the interpretation or implementation of this Memorandum shall be resolved amicably through direct communication between both Parties. In case of lack of agreement on disputes between both Parties, settlement of dispute should go through diplomatic channels. Disputes shall not be submitted to a court, an authority, or any other Party for settlement.

Article Seven

This Memorandum does not affect the rights and obligations of any bilateral or multilateral convention to which either Party is bound.

Article Eight

Both Parties may deliver separate programmes or appendices within the framework of this MoU. Both Parties shall specify on the agreed activities and ways of participation for each Party, including duration, financial obligations, and any other relevant arrangements that may be necessary.

Article Nine

Both Parties shall take the necessary measures to protect intellectual property rights that shall be the result of any joint activity or projects that stem from this MoU, in accordance with the laws and regulations in each country and international agreements that they are part of.

Article Ten

1. This MoU shall enter into force from the date of the last mutual notification between the two Parties- through diplomatic channels - confirming the completion of the internal approval procedures necessary for its entry into force.
2. This MoU will continue for five years and will be automatically renewed for the same period/s unless one Party informs the other in writing through diplomatic channels of its desire not to renew the MoU at least six months before it expires.
3. This MoU may be amended only if agreed by both Parties. The amendments shall enter into force from the date of the last mutual notification between the two Parties- through diplomatic channels - confirming the completion of the internal approval procedures necessary for its entry into force.
4. In case of termination or non-renewal of this MoU, the projects and programmes which are ongoing at the time of termination, which were implemented under this MoU, shall continue to be active, unless otherwise agreed by both Parties.

This MoU was signed in the city of Riyadh on the date of 09/11/2025 AD, 18/05/1447 AH, of three original copies in Hindi, English and Arabic languages, all three texts having equal value. In case of a difference in interpretation, the English text shall prevail.

For The Ministry of Culture
of the Republic of India

Shri Gajendra Singh Shekhawat
Minister of Culture and Tourism

.....

For The Ministry of Culture
of the Kingdom of Saudi Arabia

Prince Badr bin Abdullah bin Farhan Al Saud
Minister of Culture

.....

भारत गणराज्य के संस्कृति मंत्रालय

और

सऊदी अरब किंगडम के संस्कृति मंत्रालय

के बीच संस्कृति के क्षेत्र में

समझौता ज्ञापन "एमओयू"

भारत गणराज्य के संस्कृति मंत्रालय और सऊदी अरब किंगडम के संस्कृति मंत्रालय (जिन्हें तत्पश्चात संयुक्त रूप से "दोनों पक्ष" और पृथक रूप से 'पक्ष' कहा गया है), प्रत्येक देश के कानूनों और विनियमों के अनुरूप संस्कृति के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने की उनकी इच्छा के आधार पर, समानता, पारस्परिक हित और सम्मान के सिद्धान्तों के आधार पर और भारत गणराज्य के संस्कृति मंत्रालय तथा सऊदी अरब किंगडम के संस्कृति और सूचना मंत्रालय के बीच रियाद में 28/2/2010 ईसवी (एडी) जो 14/3/1431 हिज़री (एएच) के समरूप है, को हस्ताक्षरित सांस्कृतिक सहयोग हेतु एमओयू को इस एमओयू से बदलने की दोनों पक्षों की इच्छा के फलस्वरूप दोनों पक्ष निम्नलिखित पर सहमत हुए हैं:

अनुच्छेद एक

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य संस्कृति के क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच सहयोग को बढ़ाना है।

अनुच्छेद दो

दोनों पक्ष निम्नलिखित क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देंगे:

1- सांस्कृतिक क्षेत्रों में दोनों पक्षों के बीच सहयोग और आदान-प्रदान को सुदृढ़ करना, जिसमें धरोहर, संग्रहालय, फिल्म, रंगमंच और मंचकलाएं, फैशन, संगीत, पाक कला,

दृश्य कलाएं, वास्तुकला और डिजाइन, पुस्तकालय, साहित्य, प्रकाशन और अनुवाद, पारंपरिक कलाएं एवं शिल्प और अरबी भाषा का शिक्षण शामिल है।

2- संस्कृति के क्षेत्र से संबंधित विनियमों और नीतियों में अनुभवों का आदान-प्रदान करना।

3- दोनों देशों में सांस्कृतिक महोत्सवों और कार्यक्रमों में सहभागिता।

4- दोनों देशों में सार्वजनिक और निजी संस्थाओं के बीच कला आधारित रेजिडेंसी।

5- दोनों देशों में सांस्कृतिक मामलों को बढ़ावा देने के लिए प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाना।

6- सांस्कृतिक संस्थाओं और बुद्धिजीवियों के बीच संचार को सुगम बनाना।

7- सभी प्रकार की सांस्कृतिक धरोहर के परिरक्षण और संरक्षण के क्षेत्र में अनुभवों का आदान-प्रदान करना।

8- कलाकृतियों के अवैध आयात, निर्यात और तस्करी को रोकने में सहयोग और इस संबंध में समुचित उपाय करने पर सहमति।

9- इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत दोनों पक्षों द्वारा सम्मत कोई अन्य क्षेत्र।

अनुच्छेद तीन

दोनों पक्ष, निम्नलिखित माध्यमों से सहयोग के क्षेत्रों को कार्यान्वित करेंगे:

1- विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में आधिकारिक प्रतिनिधिमंडलों और विशेषज्ञों के बीच दौरों का आदान-प्रदान।

2- दोनों पक्षों के सांस्कृतिक विशेषज्ञों, बुद्धिजीवियों और कलाकारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और संगोष्ठियों का आयोजन।

3– दोनों पक्षों द्वारा सहमत कोई अन्य माध्यम।

अनुच्छेद चार

प्रत्येक पक्ष, अपने उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप, इस समझौता ज्ञापन के तहत अपने दायित्वों को कार्यान्वित करने संबंधी वित्तीय लागत का वहन करेगा।

अनुच्छेद पांच

दोनों पक्ष यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य हैं कि उनके बीच आदान–प्रदान की गई जानकारी और दस्तावेज का उपयोग केवल दोनों पक्षों द्वारा यथा सहमत नियत प्रयोजनों के लिए किया जाएगा और लिखित अनुमोदन के बिना किसी तीसरे पक्ष को अंतरित नहीं किया जाएगा।

अनुच्छेद छह

दोनों पक्षों के बीच इस ज्ञापन के निर्वचन अथवा कार्यान्वयन के संबंध में किसी भी विवाद का निपटान दोनों पक्षों के बीच सीधे बातचीत के माध्यम से सौहार्दपूर्ण ढंग से किया जाएगा। विवादों के संबंध में दोनों पक्षों के बीच सहमति न होने की स्थिति में, राजनयिक चैनलों के माध्यम से विवाद का निपटान किया जाना चाहिए। निपटारे के लिए विवादों को किसी न्यायालय, प्राधिकरण अथवा किसी अन्य पक्ष के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया जाएगा।

अनुच्छेद सात

यह ज्ञापन ऐसे किसी भी द्विपक्षीय या बहुपक्षीय करार, जिससे दोनों पक्ष आबद्ध हैं, के अधिकारों और दायित्वों को प्रभावित नहीं करता है।

अनुच्छेद आठ

दोनों पक्ष इस समझौता ज्ञापन की रूपरेखा के भीतर पृथक कार्यक्रम या अतिरिक्त कार्यक्रम प्रस्तुत कर सकते हैं। दोनों पक्ष, प्रत्येक पक्ष के लिए सहमत कार्यकलापों और भागीदारी के तरीकों का उल्लेख करेंगे, जिसमें समयावधि, वित्तीय निहितार्थ और अन्य कोई संगत व्यवस्थाएं, जो आवश्यक हों, शामिल हैं।

अनुच्छेद नौ

दोनों पक्ष, प्रत्येक देश के नियमों और विनियमों और अंतरराष्ट्रीय करारों, जिसका वे भाग हैं, के अनुरूप इस समझौता ज्ञापन से उत्पन्न किसी संयुक्त कार्यकलाप या परियोजनाओं के परिणामस्वरूप बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा हेतु आवश्यक उपाय करेंगे।

अनुच्छेद दस

1. यह समझौता ज्ञापन दोनों पक्ष के बीच–राजनयिक चैनलों के माध्यम से– इसके प्रवृत्त होने के लिए आवश्यक आंतरिक अनुमोदन प्रक्रियाएं पूरी होने की पुष्टि करते हुए– दोनों पक्षों के बीच अंतिम पारस्परिक अधिसूचना की तारीख से प्रवृत्त होगा।

2. यह समझौता ज्ञापन पांच वर्षो तक वैध रहेगा और समान अवधि/अवधियों के लिए स्वत: नवीकृत हो जाएगा जब तक कि एक पक्ष दूसरे पक्ष को समझौता ज्ञापन की समाप्ति के कम से कम छह महीने पूर्व इसे नवीकृत नहीं करने के आशय से लिखित रूप में यह सूचित नहीं करता है।

3. इस समझौता ज्ञापन में संशोधन तभी किया जा सकता है जब दोनों पक्ष सहमत हों। ये संशोधन दोनों पक्ष के बीच–राजनयिक चैनलों के माध्यम से– इसके प्रवृत्त होने के लिए आवश्यक आंतरिक अनुमोदन प्रक्रियाएं पूरी होने की पुष्टि करते हुए– दोनों पक्षों के बीच अंतिम पारस्परिक अधिसूचना की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

4. इस समझौता ज्ञापन की समाप्ति या नवीकरण न किए जाने की स्थिति में, समाप्ति के समय पर जारी परियोजनाएं और कार्यक्रम, जिन्हें इस समझौता ज्ञापन के अधीन कार्यान्वित किया गया था, जारी रहेंगे, जब तक दोनों पक्ष अन्यथा सहमत न हों।

इस समझौता ज्ञापन पर दिनांक 09/11/2025 ईसवी (एडी), 18/05/1447 हिज़री (एएच), रियाद शहर में हिंदी, अंग्रेजी और अरबी भाषाओं में प्रत्येक की तीन मूल प्रतियों पर हस्ताक्षर किए गए, और सभी तीन पाठ समान रूप से प्रामाणिक हैं। इसके निर्वचन में किसी विभेद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

भारत गणराज्य के संस्कृति मंत्रालय की ओर से	**सऊदी अरब किंगडम के संस्कृति मंत्रालय की ओर से**
श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत **संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री**	**प्रिंस बद्र बिन अब्दुल्ला बिन फरहान अल सऊद** **संस्कृति मंत्री**
.....	.....

مذكرة تفاهم للتعاون في المجال الثقافي

بين وزارة الثقافة في جمهورية الهند

ووزارة الثقافة في المملكة العربية السعودية

إن وزارة الثقافة في جمهورية الهند ووزارة الثقافة في المملكة العربية السعودية (المشار إليهما فيما بعد بـ"الطرفين")؛ رغبةً منهما في تعزيز التعاون بين البلدين في المجال الثقافي وفق الأنظمة والقوانين والتعليمات المعمول بها في البلدين ووفق الإمكانات المتاحة، وعلى أساس من المساواة والمنفعة المشتركة والاحترام المتبادل؛ وحيث يرغب الطرفين أن تحل هذه المذكرة محل مذكرة التعاون الثقافي بين وزارة الثقافة و الإعلام في المملكة العربية السعودية ووزارة الثقافة في جمهورية الهند، الموقع عليها في مدينة الرياض بتاريخ 14/3/1431هـ الموافق 28/2/2010م، فقد اتفقتا على ما يلي:

المادة الأولى

تهدف هذه المذكرة إلى تعزيز التعاون بين الطرفين في المجال الثقافي.

المادة الثانية

يشمل التعاون بين الطرفين المجالات الآتية:

1. تعزيز التعاون والتبادل الثقافي بين الطرفين في المجالات الثقافية، ومنها ما يتصل بمجالات التراث، والمتاحف، والأفلام، والمسرح والفنون الأدائية، والأزياء،

والموسيقى، وفنون الطهي، والفنون البصرية، والعمارة والتصميم، والمكتبات، والأدب والنشر والترجمة، والفنون التقليدية والحرفية، وتعليم اللغة العربية.

2. تبادل الخبرات بالأنظمة والتنظيمات والسياسات المعنية بالجانب الثقافي.
3. تبادل المشاركات في المهرجانات والفعاليات الثقافية بين البلدين.
4. برامج الإقامات الفنية بين المؤسسات الحكومية والأهلية في البلدين.
5. تسهيل الإجراءات التي من شأنها تعزيز الشأن الثقافي في البلدين.
6. تسهيل عملية التواصل بين الجهات الثقافية والمثقفين في البلدين.
7. تبادل الخبرات في المشاريع المتعلقة بالمحافظة على التراث بجميع أنواعه.
8. التعاون في مجال مكافحة الاتجار غير المشروع بالممتلكات الثقافية، والتوافق على أخذ التدابير اللازمة لذلك.
9. أي مجال آخر يتفق عليه الطرفين في إطار هذه المذكرة.

المادة الثالثة

يعمل الطرفان على تنفيذ مجالات التعاون الواردة في هذه المذكرة من خلال الوسائل الآتية:

1. تبادل الوفود الرسمية والخبراء من المختصين في مختلف المجالات الثقافية.
2. إقامة البرامج التدريبية وجلسات العمل وتطوير القدرات وعقد الندوات للمختصين والمثقفين والفنانين، من كلا الطرفين.
3. أي وسيلة أخرى يتفق عليها الطرفان.

المادة الرابعة

يتحمل كل طرف -وفقاً لإمكاناته المتاحة- التكاليف المالية المترتبة على تنفيذ التزاماته بناءً على هذه المذكرة.

المادة الخامسة

يلتزم الطرفان بألا تستخدم المعلومات والوثائق المتبادلة بينهما إلا للأغراض المنصوص عليها في هذه المذكرة، وألا تنقل هذه المعلومات والوثائق إلى طرف ثالث دون موافقة مكتوبة من الطرف الذي قدمها. ويظل حكم هذه المادة ساري المفعول حتى بعد إنهاء العمل بهذه المذكرة أو عدم تجديدها.

المادة السادسة

تسوّى الخلافات الناشئة من تفسير هذه المذكرة أو تطبيقها أو تنفيذها؛ بالطرق الودية عبر الاتصالات المباشرة بين الطرفين. وفي حالة عدم التوصل إلى اتفاق فيسوّى الخلاف عبر القنوات الدبلوماسية لديهما، ولا يجوز تقديمها إلى أي محكمة أو هيئة أو أي جهة أخرى لتسويتها.

المادة السابعة

لا تخل أحكام هذه المذكرة بالتزامات الطرفين ولا بحقوقهما وامتيازاتهما الناشئة عن المعاهدات والاتفاقيات الدولية التي يكون أحدهما أو كلاهما طرفاً فيها.

المادة الثامنة

للطرفين إبرام برامج ضمن إطار هذه المذكرة، تحدد الأنشطة التي يتفقان عليها وطريقة المشاركة لكل طرف والأحكام والمدد المتصلة بها، بما في ذلك الجوانب المالية، وأي ترتيبات أخرى تستلزم ذلك.

المادة التاسعة

يتّخذ الطرفين التدابير اللازمة لحماية حقوق الملكية الفكرية الناتجة عن أي نشاط في إطار هذه المذكرة، وذلك في ضوء الأنظمة والقوانين السارية في بلادهما والاتفاقيات الدولية المنضمّين إليها.

المادة العاشرة

1. تدخل هذه المذكرة حيز النفاذ من تاريخ آخر إشعار متبادل بين الطرفين -عبر القنوات الدبلوماسية- يؤكد استكمال الإجراءات النظامية الداخلية اللازمة لدخولها حيز النفاذ.
2. مدة هذه المذكرة (خمس) سنوات، وتتجدد تلقائياً لمدة أو لمدد مماثلة، ما لم يبلغ أحد الطرفين الطرف الآخر كتابة -عبر القنوات الدبلوماسية- برغبته في إنهائها أو عدم تجديدها قبل (ستة) أشهر على الأقل من التاريخ المحدد لإنهائها.
3. تعديل هذه المذكرة باتفاق الطرفين، ويدخل التعديل حيز النفاذ من تاريخ آخر إشعار متبادل بين الطرفين -عبر القنوات الدبلوماسية- يؤكد استكمال الإجراءات النظامية اللازمة.

4. في حال إنهاء العمل بهذه المذكرة أو عدم تجديدها، تستمر أحكامها نافذة المفعول بالنسبة إلى المشروعات والبرامج والأنشطة التي نشأت في ظلها، ما لم يتفق الطرفين على غير ذلك.

حررت هذه المذكرة في مدينة الرياض بتاريخ 18/5/1447هـ، الموافق 9/11/2025م، من ثلاث نسخ أصلية باللغات: العربية، والهندية، والإنجليزية وجميعها متساوية في الحجية، وفي حال الاختلاف فإن النص الإنجليزي هو المرجح.

عن
وزارة الثقافة
في
جمهورية الهند
غاجيندرا سينغ شيخاوات
وزير الثقافة والسياحة

.....

عن
وزارة الثقافة
في
المملكة العربية السعودية
الأمير بدر بن عبدالله بن فرحان آل سعود
وزير الثقافة

.....